www.batterybusiness.in

वर्ष-02 अंक-01, अक्टूबर-2022

बैटरी, सोलर और इलेक्ट्रिक वाहन से जुड़े व्यापारियों के लिए

बैटरी व्यापार

ऑनलाइन मासिक

Battery Business

समाचार · व्यापार · प्रचार · प्रसार

मन की बात में सोलर

लिथियम की वैश्विक मांग नई ऊँचाई की ओर

साहित्य और जानकारियों से भरपूर

Super Stik
.....चिपका रहे !
SPECIALIZED BATTERY STICKER
KABHI SATH NA CHHODE
STRONG ADHESIVE
Any Query : +91-9582593779
9910183526
9971293665

संकलक-संपादक
विनय कुमार भक्त

साहित्यिक संपादक मंडल :
माधुरी वर्मा-वाराणसी, डॉ. आशा सिन्हा-पटना
निशा भास्कर-दिल्ली, रेणु कुमारी -पटना
पायल राधा जैन -इटावा, उ.प्र.
मणिकर्णिका पांचाल सूर्यवंशी-दिल्ली
आशुतोष तिवारी -जोधपुर
डॉ. भागवान सहाय मीना -जयपुर
बुद्धप्रिय सुरेश सौरभ गाजीपुरी -गाजीपुर, उ.प्र.
यह सभी पद अवैतनिक हैं ।

डिजाईन, ग्राफ़िक्स टीम :
प्रमोद कुमार
राहुल कुशवाहा

प्रोडक्शन
विजय कुमार सिंह

प्रिंटिंग :
एम.आर. डिजिटल, नारायणा, दिल्ली

*प्रिंटेड कॉपी मूल्य : **रुपये 120/-***
डाक खर्च सहित

सम्पादकीय कार्यालय :
डिजाईनवर्ल्ड
डब्लू जेड -572 एन, बैक साइड,
नारायणा गाँव, दिल्ली-110028
संपर्क : 9582593779
Email : info@batterybusiness.in
Website : www.batterybusiness.in

पत्रिका में प्रकाशित लेखों से संपादक, प्रकाशक, मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है ।

बैटरी व्यापार ई-पत्रिका है । पाठकों की मांग पर शुल्क लेकर प्रिंटेड पत्रिका डाक द्वारा भेजी जा सकती है ।

कलम कहे हमारी बात

नमस्कार दोस्तों,

मुझे इस अंक के साथ आपको सूचित करते हुए हर्ष का अनुभव हो रहा है कि यह मासिक बैटरी व्यापार द्वितीय वर्ष में प्रवेश कर गया है। इस पत्रिका के माध्यम से सोशल मीडिया पर ग्रुप भी चल रहा है, जहां पर एक लाख से अधिक सदस्य हैं। उनके प्रचार-प्रसार का काम भी ग्रुप पर हो रहा है। इस ग्रुप को मैनेज करने के लिए हमारी टीम काम कर रही है, जिस पर एक खासा खर्च भी है। आपके पोस्ट को देखकर अपूरव किया जाता है इस पर भी समय लगता है। अप्रूवल लगाना अनिवार्य भी है कि क्योंकि बहुत से अनरगल पोस्ट भी आते हैं जिसे हटाया जाता है।

मैं पाठकों से एक प्रश्न पूछना चाहता हूं कि क्या आपको बैटरी व्यापार ग्रुप, वेबसाइट व पत्रिका से कुछ लाभ दिखता है? इस बात से हमें जरूर अवगत करायें। क्योंकि हम चाहते हैं आपका प्रचार-प्रसार, ब्रांड स्टोरी लोगों तक पहुंचे जिससे आपके प्रोडक्ट को लोग जाने और आपका व्यापार बढ़े। इसलिए हम बैटरी व्यापार के नाम से एक वेबसाइट पर चला रहे हैं जिस पर लगभग देश-विदेश से 600 सदस्य हैं जो बैटरी उद्योग से जुड़े हैं। इस वेबसाइट पर आपके ब्रांड की स्टोरी प्रकाशित हो सकती है जिसके लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता।

बैटरी व्यापार, पत्रिका, वेबसाइट और ग्रुप का एक ही मकसद है कि छोटे और मझोले कारोबारी अपने प्रोडक्ट का प्रचार-प्रसार आसानी से कर सकें। बड़े उद्योगों का तो टीवी चैनल पर विज्ञापन आ जाता है, बड़े उद्योग ब्रांड एम्बेसडर रखते हैं जिसके लिए मोटी रकम का खर्च जाता हैं। पर बैटरी व्यापार बिना कुछ लागत आपका प्रचार करने के लिए कार्य कर रहा है इस ओर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है।

एक बार फिर सभी बन्धुओं से अनुरोध है कि इस पत्रिका से जुड़े, अपना सुझाव दें और इसे अपने व्यापार के लिए प्रचार-प्रसार का माध्यम बनायें।

धन्यवाद!

विनय कुमार भक्त
info@batterybusiness.in
www.batterybusiness.in

वर्ष-02 अंक-02 अक्टूबर-2022

इस अंक में.....

05 समाचार

छठ पूजा पर प्रधान मंत्री मोदी ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं देते हुए सौर ऊर्जा के लाभों को सूचीबद्ध किया

06 समाचार

भारत में अंबरी बैटरियों के व्यावसायीकरण में तेजी लाने के लिए अंबरी और रिलायंस इंडस्ट्रीज ने रणनीतिक गठबंधन का विस्तार किया

उत्तर प्रदेश में 75 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना चालू करने पर एसजेवीएन 11% चढ़ गया

07 समाचार

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स जनवरी 2023 से ट्राइटन ईवी को लिथियम-आयन बैटरी पैक वितरण शुरू करेगा

भारत फोर्ज ने जनरल एटॉमिक्स, यूएसए के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

08 समाचार

केरल का स्टार्ट-अप फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट स्थापित करने के लिए गुजरात के साथ साझेदारी करेगा

टाटा पावर सोलर सिस्टम्स ने बंगाल, बिहार में ऑफ-ग्रिड सोलर सॉल्यूशंस लॉन्च किए

09 समाचार

प्रधान मंत्री मोदी ने भारत के प्रतीकात्मक पहले बैटरी-सक्षम 24/7 'सौर शहर' का उद्घाटन किया

10 विशेष

लिथियम-आयन बैटरी के उत्पादन को सरल बनायें

13 समाचार

एनर्जी वॉल्ट ऑस्ट्रेलियाई सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए 500MWh बैटरी परियोजना पर काम कर रहा है

14 विशेष

लिथियम की वैश्विक मांग नई ऊंचाइयों पर पहुंच रही है

17 समाचार

एसजेवीएन ने यूपी में 75 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना शुरू करने की घोषणा की

18 समाचार

BYD की बैटरी तकनीक के साथ नई टोयोटा bZ3 इलेक्ट्रिक वाहन

गोगोरो भारत में आने को तैयार

20 साहित्य : काव्य

सावधान

एक बार देख लेना

जलते हैं लोग क्यूँ

दीपोत्सव

हसरत

21 साहित्य : काव्य

पहला वाला प्यार

देवों की धरती भारत

एक बार फिर बचपन

संस्कारों की पूंजी

विज्ञापन

पृष्ठ : 2, 12, 16, 22, 23, 24

आलेख **19**

सिमटता गाँव

छठ पूजा पर प्रधान मंत्री मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सौर ऊर्जा के लाभों को सूचीबद्ध किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 94वें संस्करण को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने छठ पूजा के अवसर पर राष्ट्र को शुभकामनाएं दीं और कहा कि छठ पूजा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का एक बेहतरीन उदाहरण है।

राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा कि छठ पूजा पूरे देश में सभी की पूजा का हिस्सा बन गई है। सूर्य पूजा सौर ऊर्जा का स्रोत होने के साथ-साथ भारत में एक त्योहार है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा कि छठ पूजा हमें एक भारत श्रेष्ठ भारत का महत्व भी बताती है। लोग अब पूरे भारत में छठ मना रहे हैं, गुजरात जैसे राज्यों में उत्सव लोकप्रिय हो रहे हैं।

सूर्य उपासना का पर्व छठ की बात हो और साथ में सोलर की बात ना हो ऐसा संभव नहीं था प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी के लिए ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने आगे कहा कि भारत बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा का उपयोग कर रहा है। "सौर ऊर्जा के क्षेत्र में, भारत दुनिया के अग्रणी देशों में से एक बन गया है। जिस तरह से सौर ऊर्जा गरीबों और मध्यम वर्ग के जीवन को बदल रही है, वह अध्ययन का विषय है।

उन्होंने कहा कि गुजरात के मोढेरा में अधिकांश घरों ने सौर ऊर्जा से बिजली पैदा करना शुरू कर दिया है और इसे एक बड़ी उपलब्धि बताया है।

प्रधान मंत्री ने अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की उपलब्धि के बारे में भी बात की और कहा, देश इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) द्वारा नवीनतम लॉन्च के साथ वैश्विक वाणिज्यिक बाजार में एक मजबूत खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है। पिछले हफ्ते, इसरो के सबसे भारी रॉकेट- LVM-3- ने 36 संचार उपग्रहों को अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया। इसके साथ ही इसरो के लांचर ने वैश्विक वाणिज्यिक बाजार में प्रवेश कर लिया है।

"आप लोगों से बात करते हुए, मुझे उस समय की याद आ रही है जब भारत को Cyogenic Rocket Technology से वंचित कर दिया गया था। इसके बाद भारतीय वैज्ञानिकों ने न केवल भारत में अंतरिक्ष तकनीक विकसित की, बल्कि दर्जनों उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजा है: पीएम मोदी

उन्होंने कहा कि भारत के युवाओं के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र खोले जाने के बाद इसमें क्रांतिकारी बदलाव आने लगे हैं। पीएम मोदी ने कहा, "स्टार्ट-अप इस क्षेत्र में नए नवाचार और प्रौद्योगिकियां ला रहे हैं।"

उन्होंने कहा, "स्थानीय उत्पादों के उत्पादन और स्वच्छता के मामले में जनभागीदारी के प्रयासों के बिना छठ पूजा अधूरी है।" सौर ऊर्जा के मामले में भारत दुनिया के अग्रणी देशों में से एक बन गया है। जिस तरह से सौर ऊर्जा गरीबों और मध्यम वर्ग के जीवन को बदल रही है, वह अध्ययन का विषय है ।"

इस महीने की शुरुआत में, पीएम मोदी ने 30 अक्टूबर को प्रसारित होने वाले अपने मन की बात कार्यक्रम के लिए लोगों को विचार और सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया था। प्रधान मंत्री ने ट्वीट कर लोगों से आगामी मन की बात कार्यक्रम के लिए 30 अक्टूबर को अपने विचार और इनपुट भेजने के लिए कहा था।

यह शो ऑल इंडिया रेडियो और दूरदर्शन के पूरे नेटवर्क के साथ-साथ आकाशवाणी समाचार वेबसाइट और न्यूज़एयर मोबाइल ऐप पर प्रसारित होगा। यह सूचना और प्रसारण मंत्रालय, आकाशवाणी समाचार ', डीडी न्यूज', पीएमओ, और पर भी लाइव प्रसारित किया जाएगा। यूट्यूब चैनल। हिंदी प्रसारण के बाद आकाशवाणी क्षेत्रीय भाषाओं में कार्यक्रम प्रसारित किया जा रहा है।

भारत में अंबरी बैटरियों के व्यावसायीकरण में तेजी लाने के लिए अंबरी और रिलायंस इंडस्ट्रीज ने रणनीतिक गठबंधन का विस्तार किया

रिलायंस, अंबरी में एक रणनीतिक निवेशक, भारत में अपनी व्यापक ऊर्जा भंडारण प्रणाली निर्माण योजनाओं और तैनाती के हिस्से के रूप में एक अंबरी पायलट सिस्टम खरीद रहा है।

लंबी अवधि की ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के प्रदाता अंबरी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को एक पायलट प्रणाली देने के लिए एक समझौता ज्ञापन की घोषणा की है। भारत में सबसे बड़े निजी क्षेत्र के निगम और एक बहुराष्ट्रीय समूह के रूप में, रिलायंस 100 GW सौर उत्पादन क्षमता को सक्षम और विश्वसनीय, स्वच्छ, और सस्ती ऊर्जा स्थापित करने पर विचार कर रहा है ।

अंबरी के कार्यकारी अध्यक्ष डैन लेफ ने कहा है कि रिलायंस भारत के आर्थिक और ऊर्जा भविष्य में एक प्रमुख भूमिका निभाता है, और जलवायु परिवर्तन को सार्थक रूप से संबोधित करने की इसकी प्रतिबद्धता उल्लेखनीय है, विशेष रूप से इस वैश्विक चुनौती को हल करने में देश के महत्व को देखते हुए। अंबरी को अक्षय ऊर्जा संसाधनों और उनकी सुविधाओं में ऊर्जा भंडारण के बढ़ते एकीकरण का समर्थन करने के लिए हमारे रणनीतिक निवेशकों में से एक के साथ इस लंबे समय से संबंध को और मजबूत करने पर गर्व है।

रिलायंस ने 2035 तक हाइड्रोजन, पवन, सौर, ईंधन सेल, और बैटरी अपनी सुविधाओं पर शुद्ध-शून्य कार्बन प्राप्त करने का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। रिलायंस के घोषित उद्देश्यों के लिए आम तौर पर उपलब्ध, रिसाइकिल करने योग्य सामग्रियों का उपयोग करते हुए अंबरी बैटरी की अनूठी रसायन विज्ञान एक आकर्षक समाधान है।

रिलायंस न्यू एनर्जी लिमिटेड के निदेशक श्री संजय मशरूवाला ने कहा है कि एक निवेशक के रूप में, हमने एक बेहतर और विश्वसनीय ऊर्जा भंडारण समाधान के उत्पादन और पैमाने के लिए अंबरी के काम का समर्थन करने में मदद की है क्योंकि हम कंपनी और इसकी तकनीक में विश्वास करते हैं। अंबरी में निवेश करने में हमारा एक लक्ष्य यह था कि किसी दिन हमारे पास अंबरी की तकनीक का उपयोग करने का अवसर होगा, जिससे हमें चौबीसों घंटे लागत प्रतिस्पर्धी बिजली प्रदान करने के अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी ।, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। "यह समझौता ज्ञापन हमारे लिए जामनगर, भारत में अंबरी के डेमो इंस्टॉलेशन के परीक्षण और स्थापना के लिए चर्चा में शामिल होने का मार्ग प्रशस्त करता है और भारत में अंबरी सिस्टम के बड़े पैमाने पर निर्माण की स्थापना के लिए हमारे संयुक्त विकास कार्य को आगे बढ़ाता है।"

घोषित एमओयू अंबरी और रिलायंस की रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में पहला कदम है। सिस्टम 2023 के मध्य तक जहाज जाएगा और उसके तुरंत बाद चालू होने के लिए तैयार है। यह समझौता ज्ञापन पिछले साल रिलायंस और अंबरी के बीच हस्ताक्षरित रणनीतिक साझेदारी समझौते के आगे है, जो भारत में एक बड़े पैमाने पर बैटरी निर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए एक विशेष सहयोग प्रदान करता है, जो रिलायंस की हरित ऊर्जा पहल के लिए बड़े पैमाने पर और लागत को कम कर सकता है।

आपको बताते चलें कि अंबरी की लिक्विड मेटल™ बैटरी तकनीक दुनिया की सबसे बड़ी ऊर्जा समस्याओं को हल करती है, अक्षय संसाधनों से योगदान बढ़ाकर और पारंपरिक बिजली संयंत्रों के निर्माण की आवश्यकता को कम करके पावर ग्रिड के संचालन के तरीके को मौलिक रूप से बदल देती है। अंबरी का लंबी अवधि का ऊर्जा भंडारण समाधान दैनिक साइकिल चलाने के लिए बनाया गया है, यहां तक कि अत्यधिक, कठोर वातावरण में भी। न्यूनतम फीके के साथ 20+ वर्षों के जीवनकाल के साथ, अंबरी सिस्टम न केवल अत्यंत विश्वसनीय हैं, बल्कि सुरक्षित भी हैं, क्योंकि अंबरी सिस्टम किसी भी गैस का उत्पादन या उत्सर्जन नहीं करते हैं और थर्मल भगोड़ा होने की कोई संभावना नहीं है। इसी प्रकार रिलायंस भारत की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की कंपनी है, जिसका समेकित कारोबार INR 792,756 करोड़ (US$104.6 बिलियन) है, और 31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष के लिए INR 67,845 करोड़ ($9.0 बिलियन) का शुद्ध लाभ है। रिलायंस की गतिविधियों में हाइड्रोकार्बन अन्वेषण और उत्पादन शामिल है। पेट्रोलियम रिफाइनिंग और मार्केटिंग, पेट्रोकेमिकल्स, खुदरा और डिजिटल सेवाएं। फॉर्च्यून की 'विश्व की सबसे बड़ी कंपनियों' की वैश्विक 500 सूची में शामिल होने के लिए रिलायंस भारत की सबसे शीर्ष रैंक वाली कंपनी है। यह लिंक्डइन की 'भारत में काम करने के लिए सर्वश्रेष्ठ कंपनियों' (2022) में शामिल है।

स्रोत : बिज़नसवायर

उत्तर प्रदेश में 75 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना चालू करने पर एसजेवीएन 11% चढ़ गया

उत्तर प्रदेश (यूपी) में कंपनी द्वारा 75 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना चालू करने के बाद एसजेवीएन के शेयरों ने इंट्रा-डे ट्रेड में बीएसई पर 36.55 रुपये के चार साल के उच्च स्तर पर 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी की।

राज्य के स्वामित्व वाली इलेक्ट्रिक यूटिलिटीज कंपनी का स्टॉक फरवरी 2018 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर कारोबार कर रहा है। यह 33.95 रुपये के अपने पिछले उच्च स्तर को पार कर गया, जिसे उसने 6 अक्टूबर, 2022 को छुआ था। स्टॉक 40.15 रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर के करीब कारोबार कर रहा था।

एसजेवीएन ने एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स में 0.44 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 10 प्रतिशत बढ़कर 36.25 रुपये पर कारोबार किया। एनएसई और बीएसई पर संयुक्त रूप से लगभग 31 मिलियन शेयरों में बदलाव के साथ, काउंटर पर औसत ट्रेडिंग वॉल्यूम आठ गुना से अधिक उछल गया।

एसजेवीएन ने कहा कि यह परियोजना पहले वर्ष में 168.34 मिलियन यूनिट (एमयू) उत्पन्न करेगी, जिसमें 25 साल की अवधि के दौरान 3919 एमयू का कुल ऊर्जा उत्पादन होगा। इसके परिणामस्वरूप लगभग 45.11 करोड़ रुपये की वार्षिक राजस्व वृद्धि होगी, जिससे बैलेंस शीट की शीर्ष और निचली दोनों पंक्तियों में सुधार होगा। कंपनी ने कहा कि उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के साथ 25 साल का बिजली खरीद समझौता (पीपीए) किया गया है।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स जनवरी 2023 से ट्राइटन ईवी को लिथियम-आयन बैटरी पैक वितरण शुरू करेगा

रक्षा सार्वजनिक उपक्रम भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता ट्राइटन इलेक्ट्रिक व्हीकल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से भारत में अपनी अर्ध-ट्रक परियोजना के लिए बैटरी पैक की खरीद के लिए 8,060 करोड़ रुपये के अनुमानित मूल्य का आशय पत्र (एलओआई) प्राप्त हुआ है। फाइलिंग में कहा गया है कि 300 किलोवाट लिथियम-आयन बैटरी पैक को बीईएल द्वारा ट्राइटन को जनवरी 2023 से शुरू होने वाले 24 महीनों में वितरित किया जाना है।

ट्राइटन द्वारा बीईएल को शत-प्रतिशत अग्रिम भुगतान के साथ प्रथम-मात्रा का क्रय आदेश सौंप दिया गया है। बीईएल नवंबर 2022 तक पहली मात्रा में वितरित करेगा। पीएसयू ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि बैटरी पैक का निर्माण बीईएल की पुणे इकाई में किया जाएगा।

बीईएल ने भारतीय बाजार और पारस्परिक रूप से सहमत निर्यात बाजारों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए टीईवी से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साथ बीईएल द्वारा हाइड्रोजन ईंधन कोशिकाओं के निर्माण के लिए ट्राइटन इलेक्ट्रिक वाहन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

कंपनी ने कहा है कि एमओयू का उद्देश्य परिवहन, ऊर्जा भंडारण आदि में अनुप्रयोगों के लिए स्वच्छ ऊर्जा ईंधन को अपनाने के लिए भारत सरकार के जोर का लाभ उठाते हुए ई-मोबिलिटी सहित विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए स्वच्छ ऊर्जा समाधान की मांग का दोहन करना है। ट्राइटन इलेक्ट्रिक व्हीकल एलएलसी का मुख्यालय चेरी हिल, न्यू जर्सी-यूएसए में है। कंपनी ने हाल ही में भारत में अपना अनुसंधान एवं विकास केंद्र और विनिर्माण सुविधा स्थापित की है और हाइड्रोजन से चलने वाले वाहनों में प्रवेश किया है।

भारत फोर्ज ने जनरल एटॉमिक्स, यूएसए के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

कंपनियां भारतीय नौसेना लिथियम-आयन बैटरी सिस्टम के लिए नौसेना प्लेटफार्मों, पनडुब्बियों कार्यक्रम के लिए सहयोग करेंगी

भारत फोर्ज लिमिटेड, दुनिया की अग्रणी प्रौद्योगिकी समाधान प्रदाता और फोर्जिंग कंपनी ने जनरल एटॉमिक्स, यूएस के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जो कि विविध पोर्टफोलियो के अनुसंधान, डिजाइन और निर्माण में एक वैश्विक नेता है। विद्युत चुम्बकीय और उन्नत शक्ति और ऊर्जा प्रौद्योगिकियां। एमओयू की शर्तों के तहत, भारत फोर्ज और जनरल एटॉमिक्स इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिस्टम्स ग्रुप (जीए-ईएमएस) भारतीय नौसेना की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नौसेना प्लेटफार्मों / पनडुब्बियों के लिए लिथियम-आयन बैटरी सिस्टम के लिए सहयोग करेंगे। पार्टियों ने स्थायी चुंबक मोटर्स के क्षेत्र में एक दूसरे के साथ साझेदारी करने पर भी सहमति व्यक्त की है।

इस अवसर पर बोलते हुए, कल्याणी समूह के अध्यक्ष, बाबा कल्याणी ने कहा, "हम रक्षा क्षेत्रों में भारतीय को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से देश में विशिष्ट तकनीकों को लाने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। जीए नौसैनिक प्लेटफार्मों/ पनडुब्बियों के लिए इन-सर्विस ली-आयन बैटरी समाधानों के लिए एक मार्केट लीडर है और जनरल एटॉमिक्स के साथ हमारी साझेदारी भारतीय नौसेना के लिए मेक इन इंडिया समाधान विकसित करने और एक मजबूत रक्षा प्रौद्योगिकी स्थापित करने की दिशा में एक दृढ़ कदम है।

"हम भारतीय नौसेना की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत फोर्ज के साथ काम करने के लिए तत्पर हैं। हमारे ली-आयन बैटरी सिस्टम को 10 वर्षों के कठोर अनुसंधान एवं विकास के बाद विकसित किया गया है। सामान्य 'गलती निवारण' के बजाय, हमारा डिजाइन दर्शन एक गलती मानने और गलती रोकथाम की आवश्यकता पर आधारित है, जिसने हमारे सिस्टम को बेहद सुरक्षित और विश्वसनीय बना दिया है", स्कॉट फॉर्नी, जीए-ईएमएस के अध्यक्ष ने कहा। "हम भारत फोर्ज जैसी कंपनियों के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिनकी उत्कृष्टता और गुणवत्ता के प्रति समर्पण के लिए प्रतिष्ठा हमारे साथ सहक्रियात्मक है, क्योंकि हम अंडरसी और सतह प्लेटफार्मों के लिए प्रौद्योगिकी नवाचार और अत्याधुनिक सिस्टम प्रदान करना जारी रखते हैं।"

केरल का स्टार्ट-अप फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट स्थापित करने के लिए गुजरात के साथ साझेदारी करेगा

वायनाड में एक स्टार्ट-अप वत्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (वीईपीएल), गुजरात स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कॉरपोरेशन लिमिटेड (जीएसईसीएल) के साथ उस राज्य में फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट स्थापित करने के लिए साझेदारी कर रहा है।

कंपनी ने 2014 में वायनाड गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज में एक कैंपस स्टार्ट-अप के रूप में शुरुआत की, और इसने बाणासुर सागर बांध में केरल राज्य विद्युत बोर्ड (KSEB) के लिए भारत का पहला ऑन-ग्रिड फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट स्थापित किया। यह फेरो सीमेंट से निर्मित दुनिया का पहला तैरता हुआ सौर ऊर्जा संयंत्र भी था। अनुसंधान और विकास परियोजना ने भारत में तैरते सौर उद्योग के त्वरित विकास को गति दी।

बाद में, कंपनी देश और विदेशों में फ्लोटिंग सोलर कंसल्टिंग में अग्रणी बन गई। वीईपीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजय थॉमस ने कहा कि जब 2016 में बाणासुर सागर में पहला फ्लोटिंग सोलर प्लांट चालू किया गया था, तब भारत में फ्लोटिंग पावर प्लांट का बाजार लगभग शून्य था।

अब, यह एक व्यवसाय से अधिक है। सरकारें और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम पूरे देश में बहु-मेगावाट परियोजनाओं का निर्माण कर रहे हैं। जीएसईसीएल ने सितंबर में अगले दो साल के लिए फ्लोटिंग सोलर कंसल्टेंट नियुक्त करने के लिए टेंडर आमंत्रित किया था और हमने प्रतियोगिता जीती।

अजय थॉमस, सीईओ, वत्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, गुजरात स्टेट इलेक्ट्रिसिटी कॉरपोरेशन लिमिटेड के मुख्य अभियंता दिनकर एम. जेतवा से आशय पत्र प्राप्त करते हुए।

श्री थॉमस ने कहा कि एक सलाहकार के रूप में, हम गुजरात में विभिन्न जल निकायों में तैरते बिजली संयंत्रों की तकनीकी-व्यावसायिक व्यवहार्यता का मूल्यांकन करेंगे। जीएसईसीएल के मुख्य अभियंता दिनकर एम. जेतवा ने हाल ही में श्री थॉमस को आशय पत्र सौंपा। इसके अलावा, वीईपीएल परियोजना योजना और प्रबंधन में जीएसईसीएल की मदद करेगा। उन्होंने कहा कि जीएसईसीएल 2025 के अंत तक तैरते सौर संयंत्रों से 1,500 मेगावाट बिजली का उत्पादन करने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि यह लगभग 8,000 करोड़ रुपये का एक बड़ा ऊर्जा बुनियादी ढांचा निवेश होगा।

वीईपीएल वर्तमान में एकीकृत सौर छत प्रौद्योगिकी में निवेश कर रहा है और एक साल में इसके बाजार में लॉन्च होने की उम्मीद कर रहा है।

टाटा पावर सोलर सिस्टम्स ने बंगाल, बिहार में ऑफ-ग्रिड सोलर सॉल्यूशंस लॉन्च किए

टाटा पावर सोलर सिस्टम्स ने बुधवार को पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में किफायती सोलर ऑफ-ग्रिड समाधान शुरू करने की घोषणा की।

टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमिटेड (टीपीएसएसएल) टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

कंपनी के एक बयान में कहा गया है कि ऑफ-ग्रिड समाधान उच्च कुशल सौर मॉड्यूल, इनवर्टर और बैटरी का संयोजन प्रदान करते हैं और 5 साल की वारंटी के साथ 1-10 किलोवाट तक के 11 वेरिएंट में उपलब्ध हैं।

कंपनी द्वारा पेश किए गए समाधान उपभोक्ताओं को ग्रिड आपूर्ति की कमी के समय में उनकी बिजली बैकअप आवश्यकताओं के लिए एक कुशल एकीकृत बिजली प्रणाली प्रदान करने के लिए इंजीनियर हैं।

समाधान का अनावरण पश्चिम बंगाल के अतिरिक्त मुख्य सचिव एस सुरेश कुमार की उपस्थिति में किया गया; पार्थ प्रतिम मुखर्जी, निदेशक (वितरण), पश्चिम बंगाल पावर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड और नायक, निदेशक (ईवी), पश्चिम बंगाल पावर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड, कोलकाता।

ये सौर ऑफ-ग्रिड समाधान दिन के समय चार्ज किए जाते हैं और उपभोक्ताओं को रात के समय और आउटेज के दौरान डीजल जनरेटर जैसे महंगे और प्रदूषणकारी विकल्पों पर निर्भरता को कम करके स्थायी बिजली का उपयोग करने में सक्षम बनाते हैं।

प्रधान मंत्री मोदी ने भारत के प्रतीकात्मक पहले बैटरी-सक्षम 24/7 'सौर शहर' का उद्घाटन किया

भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने एक सामुदायिक ऊर्जा नेटवर्क के उद्घाटन समारोह में भाग लिया है, जो पूरे शहर को सौर पीवी से अपनी सारी बिजली का स्रोत बनाने में सक्षम बनाता है।

अपनी तरह की पहली परियोजना में 6MW/15MWh बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (BESS) और स्मार्ट नियंत्रण के साथ-साथ सभी व्यवहार्य इमारतों पर सौर छतों के साथ 6MW सौर PV सरणी को जोड़ती है, जैसा कि भारत के नए मंत्रालय अक्षय ऊर्जा (एमएनआरई) द्वारा वर्णित है।

यह मोढेरा सूर्य मंदिर के घर मोढेरा में स्थित है, गुजरात राज्य में एक स्थान जिसे आंशिक रूप से इसके प्रतीकात्मक महत्व के लिए चुना गया है। ऊर्जा नेटवर्क मंदिर, मोढेरा शहर और पास के एक गाँव को सक्षम बनाता है जहाँ उनकी सभी बिजली की ज़रूरतों को 24/7 अक्षय ऊर्जा से प्राप्त करने के लिए PV सरणी स्थित है।

कहा जाता है कि गुजरात राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री के रूप में मोदी के पास इस परियोजना के लिए दृष्टिकोण था, जिसका लक्ष्य निम्न कार्बन स्रोतों से कस्बों और गांवों में बिजली की पहुंच को सक्षम करने के लिए एक अनुकरणीय मॉडल का प्रदर्शन करना था।

एमएनआरई ने 2020 में परियोजना के लिए निविदा दी थी। जून में, जैसे ही परियोजना पर काम पूरा होने की ओर आया, इसमें 271x 1kW रूफटॉप पीवी इंस्टॉलेशन शामिल थे। यह परियोजना पहली बार 2021 की गर्मियों में ऑनलाइन हुई थी, जिसका आधिकारिक उद्घाटन इस साल तक हुआ था।

एमएनआरई के अनुसार, मोढेरा में अब 1,300 से अधिक रूफटॉप सोलर सिस्टम हैं, जो निवासियों और स्थानीय सरकारी भवनों को अपने बिजली बिल की लागत का दो-तिहाई से अधिक बचाने में सक्षम बनाते हैं। परियोजना के हिस्से के रूप में, इस क्षेत्र में अब इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और बिजली की स्मार्ट मीटरिंग भी है। DNV की सहायक कंपनी, डिजिटल अक्षय ऊर्जा सेवा कंपनी GreenPowerMonitor (GPM) द्वारा स्मार्ट नियंत्रण प्रदान किए गए थे।

जीपीएम के क्षेत्रीय प्रबंधक सर्गी बॉस्क गार्सिया ने जून में कहा था कि सौर-बैटरी हाइब्रिड परियोजना बनाना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन स्थानीय समुदायों को 100% नवीकरणीय और स्वच्छ ऊर्जा प्रदान करने के लिए संभावनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला खोलता है और "अन्य क्षेत्रों में इसी तरह की जरूरतें दोहराया जा सकता है।

द्वि-दिशात्मक बिजली रूपांतरण प्रणाली (पीसीएस) इकाइयाँ FIMER, एक इन्वर्टर और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता द्वारा प्रदान की गई थीं, जिसका मुख्यालय इटली में स्थापित भारतीय बाजार में उपस्थिति के साथ है। इस परियोजना की कुल लागत लगभग 8.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर बताई गई थी, जिसका भुगतान गुजरात राज्य सरकार और राष्ट्रीय केंद्र सरकार द्वारा संयुक्त रूप से एमएनआरई के माध्यम से किया गया था।

भारत 2030 तक 500GW गैर-जीवाश्म ईंधन ऊर्जा संसाधनों को जोड़ने का लक्ष्य रखते हुए बड़े पैमाने पर अक्षय ऊर्जा विकास को लक्षित कर रहा है - और प्राप्त कर रहा है, इस वर्ष पहले ही 150GW के निशान को पार कर चुका है।

जहां उस नई क्षमता में से अधिकांश उपयोगिता-पैमाने पर पवन, सौर और बैटरी भंडारण होने की संभावना है, सरकार के पास उन समुदायों के लिए खासकर ग्रामीण इलाकों में और दूरदराज के इलाके बिजली की पहुंच बढ़ाने के लिए नीतिगत लक्ष्य भी हैं, जिनके पास अभी तक यह नहीं है, या केवल अविश्वसनीय ग्रिड पहुंच है।

लिथियम-आयन बैटरी के उत्पादन को सरल बनायें

एमआईटी स्पिनआउट 24एम टेक्नोलॉजीज ने एक ऐसी बैटरी तैयार की है जो लिथियम-आयन कोशिकाओं के निर्माण की लागत को कम करती है।

जब बैटरी इनोवेशन की बात आती है, तो संभावित नई केमिस्ट्री और सामग्रियों पर अधिक ध्यान दिया जाता है। लागत कम करने के लिए उत्पादन प्रक्रियाओं के महत्व को अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है।

अब एमआईटी स्पिनआउट 24 एम टेक्नोलॉजीज ने एक नए डिजाइन के साथ लिथियम-आयन बैटरी उत्पादन को सरल बना दिया है जिसके लिए प्रत्येक सेल के निर्माण के लिए कम सामग्री और कम चरणों की आवश्यकता होती है। कंपनी का कहना है कि डिजाइन, जिसे वह गोई इलेक्ट्रोड के उपयोग के लिए "सेमीसॉलिड" कहता है, उत्पादन लागत को 40 प्रतिशत तक कम कर देता है और बैटरी की ऊर्जा घनत्व, सुरक्षा और पुनर्चक्रण में भी सुधार करता है।

लिथियम बैटरी उद्योग के हित को देखते हुए, 24M कुछ है। 2015 में स्टील्थ मोड से बाहर आने के बाद से, 24M ने वोक्सवैगन, फुजीफिल्म, लुकास टीवीएस, एक्सिवा और फ्रेयर सहित बहुराष्ट्रीय कंपनियों को अपनी तकनीक का लाइसेंस दिया है। वे अंतिम तीन कंपनियां भारत, चीन, नॉर्वे और संयुक्त राज्य अमेरिका में 24M की तकनीक के आधार पर गीगाफैक्ट्री (गीगावाट-स्केल वार्षिक उत्पादन क्षमता वाले कारखाने) बनाने की योजना बना रही हैं।

24M सीईओ ना ओकी ओटा का कहना है कि सेमीसॉलिड प्लेटफॉर्म आवासीय ऊर्जा-भंडारण प्रणालियों के लिए उत्पादित किए जा रहे सैकड़ों मेगावाट के पैमाने पर सिद्ध हुआ है। अब हम इसे गीगावाट पैमाने पर साबित करना चाहते हैं, जिनकी टीम में 24M सह-संस्थापक, मुख्य वैज्ञानिक और MIT प्रोफेसर येट-मिंग चियांग शामिल हैं।

बड़े पैमाने पर उत्पादन लाइनें स्थापित करना 24M की योजना का केवल पहला चरण है। इसकी बैटरी डिज़ाइन का एक और मुख्य आकर्षण यह है कि यह लिथियम-आयन केमिस्ट्री के विभिन्न संयोजनों के साथ काम कर सकता है। इसका मतलब है कि 24M के भागीदार निर्माण प्रक्रियाओं में काफी बदलाव किए बिना बेहतर प्रदर्शन करने वाली सामग्री को लाइन में शामिल कर सकते हैं।

अगली पीढ़ी की बैटरियों का जिस तरह का त्वरित, बड़े पैमाने पर उत्पादन 24M सक्षम होने की उम्मीद करता है, लोगों द्वारा इस बैटरी को अपनाने पर खास प्रभाव पड़ सकता है - इलेक्ट्रिक कारों की लागत और प्रदर्शन से लेकर जीवाश्म ईंधन को बदलने के लिए अक्षय ऊर्जा की क्षमता तक।

ओटा का कहना है कि यह एक प्रौद्योगिकी मंच हैं। हम केवल कम लागत वाले और उच्च-विश्वसनीयता वाले ऑपरेटर नहीं हैं। आज हम यही हैं, लेकिन हम अगली पीढ़ी के रसायन विज्ञान के साथ प्रतिस्पर्धी भी हो सकते हैं। हम ग्राहकों द्वारा अपनी आपूर्ति श्रृंखला को बदले बिना बाजार में किसी भी रसायन का उपयोग कर सकते हैं। अन्य स्टार्टअप आज नहीं, कल उस मुद्दे को हल करने की कोशिश कर रहे हैं। हमारी तकनीक आज और कल इस मुद्दे का समाधान कर सकती है।

एमआईटी के सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्योसेरा प्रोफेसर चियांग का कहना है 2001 में एक अन्य बैटरी कंपनी, A123 सिस्टम्स की सह-स्थापना के बाद बड़े पैमाने पर बैटरी उत्पादन में अपनी पहली झलक मिली। चूंकि वह कंपनी 2000 के दशक के अंत में सार्वजनिक होने की तैयारी कर रही थी, च्यांग सोचने लगा कि क्या वह ऐसी बैटरी डिजाइन कर सकता है जिसे बनाना आसान होगा।

चियांग का कहना है कि मुझे यह खिड़की मिली कि बैटरी निर्माण कैसा दिखता है, और जो मुझे प्रभावित करता है, वह यह था कि भले ही हमने इसे खींच लिया, लेकिन यह एक अविश्वसनीय रूप से जटिल निर्माण प्रक्रिया थी। यह चुंबकीय टेप निर्माण से प्राप्त हुआ था जिसे 1980 के दशक के अंत में बैटरी के लिए अनुकूलित किया गया था।

एमआईटी में अपनी प्रयोगशाला में, जहां वह 1985 से प्रोफेसर हैं, चियांग ने एक नए प्रकार के उपकरण के साथ शुरुआत की, जिसे उन्होंने "सेमी-सॉलिड फ्लो बैटरी" कहा, जो चार्ज को स्टोर करने के लिए टैंक से कण-आधारित इलेक्ट्रोड ले जाने वाले तरल पदार्थ को पंप करता है।

2010 में, चियांग ने डब्ल्यू क्रेग कार्टर के साथ भागीदारी की, जो एमआईटी के पोस्को प्रोफेसर ऑफ मैटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग हैं, और दो प्रोफेसरों ने एक छात्र, मिहाई दुदुता '11 की देखरेख की, जिन्होंने अपनी स्नातक थीसिस के लिए फ्लो बैटरी की खोज की। एक महीने के भीतर, दुदुता ने चियांग की प्रयोगशाला में एक प्रोटोटाइप विकसित किया था, और 24M का जन्म हुआ था। (दुदुता कंपनी का पहला किराया था।)

लेकिन जब 24M ने चियांग की प्रयोगशाला में किए गए शोध का व्यवसायीकरण करने के लिए MIT के प्रौद्योगिकी लाइसेंस कार्यालय (TLO) के साथ काम किया, तो दुदुता सहित कंपनी के लोगों ने फ्लो बैटरी अवधारणा पर पुनर्विचार करना शुरू कर दिया। कार्टर द्वारा एक आंतरिक लागत विश्लेषण, जिसने कई वर्षों तक 24M के लिए परामर्श किया, अंततः शोधकर्ताओं को दिशा बदलने के लिए प्रेरित किया।

इसने कंपनी को गूई घोल के भार के साथ छोड़ दिया जिसने उनकी प्रवाह बैटरी में इलेक्ट्रोड बनाए। कार्टर के लागत विश्लेषण के कुछ सप्ताह बाद, 24M के एक वरिष्ठ शोध वैज्ञानिक, दुदुता ने हाथ से बैटरियों को इकट्ठा करने के लिए घोल का उपयोग शुरू करने का फैसला किया, जो सीधे इलेक्ट्रोलाइट में गूई इलेक्ट्रोड को मिलाते थे। विचार ने पकड़ लिया।

बैटरियों के मुख्य घटक सकारात्मक और नकारात्मक रूप से चार्ज किए गए इलेक्ट्रोड और इलेक्ट्रोलाइट सामग्री हैं जो आयनों को उनके बीच प्रवाहित करने की अनुमति देते हैं। पारंपरिक लिथियम-आयन बैटरी अक्रिय प्लास्टिक और धातुओं की परतों द्वारा इलेक्ट्रोलाइट से अलग किए गए ठोस इलेक्ट्रोड का उपयोग करती हैं, जो इलेक्ट्रोड को जगह में रखते हैं।

पारंपरिक बैटरियों की निष्क्रिय सामग्री को अलग करना और गूई इलेक्ट्रोड मिश्रण को अपनाने से 24M के डिज़ाइन को कई फायदे मिलते हैं।

एक के लिए, यह पारंपरिक लिथियम-आयन उत्पादन में इलेक्ट्रोड को सुखाने और जमने की ऊर्जा-गहन प्रक्रिया को समाप्त करता है। कंपनी का कहना है कि यह पारंपरिक बैटरियों में 80 प्रतिशत से अधिक निष्क्रिय सामग्री की आवश्यकता को भी कम करती है, जिसमें तांबा और एल्यूमीनियम जैसे महंगे भी शामिल हैं। डिज़ाइन को बाइंडर की

भी आवश्यकता नहीं होती है और इसमें अतिरिक्त मोटे इलेक्ट्रोड होते हैं, जिससे बैटरी की ऊर्जा घनत्व में सुधार होता है।

"जब आप एक कंपनी शुरू करते हैं, तो स्मार्ट बात यह है कि आप अपनी सभी धारणाओं पर दोबारा गौर करें और पूछें कि आपके उद्देश्यों को पूरा करने का सबसे अच्छा तरीका क्या है, जो हमारे मामले में बस-निर्मित, कम लागत वाली बैटरी थी," चियांग कहते हैं। "हमने तय किया कि हमारा वास्तविक मूल्य लिथियम-आयन निलंबन बनाने में था जो शुरुआत से इलेक्ट्रोकेमिकल रूप से सक्रिय था, इसमें इलेक्ट्रोलाइट के साथ, और आप इलेक्ट्रोलाइट को प्रसंस्करण विलायक के रूप में उपयोग करते हैं।"

2017 में, 24M ने MIT औद्योगिक संपर्क कार्यक्रम के STEX25 स्टार्टअप एक्सेलेरेटर में भाग लिया, जिसमें च्यांग और सहयोगियों ने महत्वपूर्ण उद्योग कनेक्शन बनाए जो इसे शुरुआती साझेदारी को सुरक्षित करने में मदद करेंगे। 24M ने ऊर्जा विभाग द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं पर MIT के शोधकर्ताओं के साथ भी सहयोग किया है।

24M के अधिकांश साझेदार अपनी बैटरी के लिए तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहन (EV) बाजार पर नजर गड़ाए हुए हैं, और संस्थापकों का मानना है कि उनकी तकनीक EV अपनाने में तेजी लाएगी। (इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी रिसर्च के अनुसार, बैटरी की लागत ईवी की कीमत का 30 से 40 प्रतिशत है)।

ईवी फर्म टेस्ला के सीईओ का जिक्र करते हुए ओटा कहते हैं, "लिथियम-आयन बैटरी ने पिछले कुछ वर्षों में भारी सुधार किया है, लेकिन एलोन मस्क भी कहते हैं कि हमें कुछ सफल तकनीक की जरूरत है।" "ईवी को अधिक सामान्य बनाने के लिए, हमें उत्पादन लागत में सफलता की आवश्यकता है; हम केवल स्केलिंग के माध्यम से लागत में कमी पर भरोसा नहीं कर सकते क्योंकि आज हम पहले से ही बहुत सारी बैटरी बनाते हैं।"

24M नई बैटरी केमिस्ट्री को साबित करने के लिए भी काम कर रहा है, जिसे उसके पार्टनर जल्दी से अपनी गीगाफैक्ट्री में शामिल कर सकते हैं। इस साल जनवरी में, 24M को ऊर्जा विभाग के ARPA-E कार्यक्रम से एक उच्च-ऊर्जा-घनत्व वाली बैटरी विकसित करने और स्केल करने के लिए अनुदान मिला, जो इलेक्ट्रिक एविएशन में उपयोग के लिए लिथियम मेटल एनोड और सेमी-सॉलिड कैथोड का उपयोग करती है।

यह परियोजना दुनिया भर में नए लिथियम-आयन बैटरी केमिस्ट्री को मान्य करने के लिए डिज़ाइन की गई कई परियोजनाओं में से एक है जो लंबे समय से मांगी गई बैटरी क्रांति को सक्षम कर सकती है। जैसा कि 24M बड़े पैमाने पर, वैश्विक उत्पादन लाइनों के निर्माण को बढ़ावा देना जारी रखता है, टीम का मानना है कि यह प्रयोगशाला नवाचारों को सर्वव्यापी, विश्व-बदलते उत्पादों में बदलने के लिए अच्छी तरह से स्थित है।

"यह तकनीक एक मंच है, और हमारी दृष्टि Google के एंड्रॉइड [ऑपरेटिंग सिस्टम] की तरह है, जहां अन्य लोग हमारे मंच पर चीजें बना सकते हैं," ओटा कहते हैं। "हम ऐसा करना चाहते हैं लेकिन हार्डवेयर के साथ। इसलिए हम तकनीक का लाइसेंस दे रहे हैं। हमारे सहयोगी नई केमिस्ट्री और दृष्टिकोण का लाभ प्राप्त करने के लिए समान उत्पादन लाइनों का उपयोग कर सकते हैं। यह मंच सभी को अधिक विकल्प देता है।"

यह जानकारी MIT NEWS से लेकर आप पाठकों तक पहुचाई जा रही है।

ORGANIZED BY
YBW OFFICIAL
Exhibitions | Conference | Events
RAJASTHAN BATTERY EV EXPO
BATTERIES | ELECTRIC VEHICLE | SOLAR 2023
Rajasthan's Biggest B2B Battery & EV Show
06 07 08
JANUARY, 2023
Vidhyadhar Nagar Stadium,
Jaipur, Rajasthan
FOCUS INDUSTRIES
Batteries- Lead or Lithium-Ion
· Automotive & Inverters Batteries
· Lithium –ion Batteries
· SMF Batteries
· Industrial Batteries
· Battery Recycling Plant and Machinery
· Battery Parts Containers/ Components
· Battery Stickers & Box Manufactures
· Separators
Electric Vehicle & Chargers
· Electric Vehicle
· EV Accessories
· EV Parts & Motor Manufactures
· Electric Charging Station and Equipment
· Electric Vehicle Batteries Manufacturers
· EV Powertrain Components Manufacturers
· Powertrain & BLDC Motors
Solar Panel & Inverters
· Solar Panel
· Solar Inverters
· Solar Structure
· Solar Batteries
BOOK YOUR STALL NOW
www.batteryevexpo.com
+91-89491 28190
+91-79835 59711
batteryevexpo@gmail.com
SUPPORTED BY
सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय
MINISTRY OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS
नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
MINISTRY OF NEW AND RENEWABLE ENERGY
MSME
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम
MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Media Partners
TOP DRIVE
BUSINESS SOURCE
99BUSINESS.COM
Rickshaws360
ERCity NEWSPAPER
THE EV TIMES
Online Media Partner
trade india.
बैटरी व्यापार
Social Media Partner
EDUCE
ABC

एनर्जी वॉल्ट ऑस्ट्रेलियाई सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए 500MWh बैटरी परियोजना पर काम कर रहा है

गुरुत्वाकर्षण ऊर्जा भंडारण कंपनी एनर्जी वॉल्ट में बैटरी स्टोरेज डिवीजन को विक्टोरिया, ऑस्ट्रेलिया में एक सौर पीवी संयंत्र में 250MW दो घंटे की अवधि की परियोजना पर काम करने के लिए अनुबंधित किया गया है।

एनर्जी वॉल्ट ने कहा कि उसे इसी नाम के 330MW सोलर फार्म के विकासकर्ता मीडो क्रीक सोलर से आगे बढ़ने के लिए नोटिस दिया गया है, जो राज्य की राजधानी मेलबर्न से लगभग 270 किमी दूर ग्रामीण विक्टोरिया में एक स्थान है।

कंपनी ने कल ऑल-एनर्जी ऑस्ट्रेलिया ट्रेड एक्सपो के पहले दिन के रूप में घोषणा की। हालांकि इसने कहा कि 250MW/500MWh बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (BESS) सह-स्थित सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए "लचीलापन और चार्ज और डिस्चार्ज का लचीलापन" प्रदान करेगा, बैटरी सिस्टम के अपेक्षित अनुप्रयोगों और बाजार के मार्गों पर विवरण अभी तक प्रदान नहीं किया गया है।

यह परियोजना विकास के काफी शुरुआती चरण में प्रतीत होती है, हालांकि मेडो क्रीक ने व्यवहार्यता निर्धारित करने के लिए एनर्जी वॉल्ट को "व्यापक कार्य" के रूप में वर्णित किया है। इसने कहा कि उसने पाया है कि पर्याप्त ग्रिड क्षमता उपलब्ध है और अब पर्यावरण और तकनीकी मूल्यांकन से गुजर रहा है। ये स्थानीय अधिकारियों को विकास अनुप्रयोगों का समर्थन करेंगे।

एनर्जी वॉल्ट अब परियोजना के लिए अपना ग्रिड अध्ययन और मॉडलिंग शुरू करेगा, इसके तकनीकी सलाहकार के रूप में डीएनवी के साथ काम करते हुए, ऑस्ट्रेलियाई ऊर्जा बाजार ऑपरेटर (एईएमओ) की आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से।

एनर्जी वॉल्ट एपीएसी क्षेत्र वीपी ऑफ सेल्स एंड बिजनेस डेवलपमेंट लुकास सैडलर ने कहा कि कंपनी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई बाजार में "बेस्पोक एसी और डीसी ब्लॉक एनर्जी स्टोरेज सॉल्यूशंस" लॉन्च किए हैं जो परियोजना के लिए उपयुक्त होंगे।

मीडो क्रीक सोलर फार्म डेवलपमेंट मैनेजर कैमरन मुनरो ने कहा, "हमारी टीम के साथ एनर्जी वॉल्ट का समाधान एनर्जी वॉल्ट एनर्जी स्टोरेज हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म का चयन करने के हमारे फैसले में महत्वपूर्ण रहा है।"

"एनर्जी वॉल्ट का उच्च ऊर्जा घनत्व डिजाइन, सेंट्रल स्टोरेज इनवर्टर या नए एसी ब्लॉक और सबसे उन्नत एनर्जी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर दोनों के साथ काम करने का विकल्प, जो कई उपयोग मामलों, इष्टतम आर्थिक प्रेषण और भविष्य कहनेवाला रखरखाव को सक्षम बनाता है, काम करते समय लचीलापन और आगे के विकल्प लाता है। हमारे वित्तीय और तकनीकी भागीदारों, डीएनवी और ऑसनेट सेवाओं के साथ।"

स्टार्टअप को यांत्रिक ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकी के एक रूप के चैंपियनिंग के लिए जाना जाता है जो चार्ज करने के लिए दर्जनों टन वजन वाले बड़े मिश्रित ब्लॉकों को उठाता है और फिर उन्हें निर्वहन के लिए कम करता है।

हालांकि, सॉफ्टवेयर और ऊर्जा प्रबंधन प्रणालियों (ईएमएस) और बाद में बैटरी भंडारण परियोजना के काम पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक ऊर्जा भंडारण समाधान प्रभाग की स्थापना के बाद से, इसने कई बड़े परियोजना अनुबंध जीते हैं, मुख्यतः अमेरिका में।

इस बीच, इसने अपने गुरुत्वाकर्षण-आधारित भंडारण प्रणाली के केवल एक बड़े पैमाने पर काम कर रहे प्रोटोटाइप का निर्माण किया है, जिसके बाद से प्रौद्योगिकी में एक प्रमुख डिजाइन ओवरहाल आया है।

कंपनी ने हालांकि दावा किया है कि चीन में एक 100MW गुरुत्वाकर्षण भंडारण परियोजना पहले ही कुछ महीने पहले ही टूट चुकी है और हाल ही में कहा गया है कि उसे देश में गुरुत्वाकर्षण भंडारण प्रणालियों को वितरित करने के लिए 2GWh "जनादेश" प्राप्त हुआ है।

कंपनी ने ऑस्ट्रेलिया में गुरुत्वाकर्षण ऊर्जा भंडारण प्रणालियों पर काम करने के लिए कोरिया जिंक की सहायक कंपनी आर्क एनर्जी के साथ एक समझौते पर भी हस्ताक्षर किए हैं, जिसका दावा है कि यह बहु-जीडब्ल्यूएच आधार पर है। कोरिया जिंक एनर्जी वॉल्ट में निवेशकों में से है, जिसने इस साल की शुरुआत में न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध स्टार्टअप से कुछ समय पहले यूएस $50 मिलियन की प्रतिबद्धता जताई थी।

एनर्जी वॉल्ट को फरवरी में एक विशेष प्रयोजन अधिग्रहण कंपनी (एसपीएसी) विलय के बाद सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध किया गया था और अगस्त में 2022-2023 समय सीमा में यूएस $ 680 मिलियन संयुक्त राजस्व के लिए मार्गदर्शन की पेशकश की गई थी। Q1 2022 में इसने US$43 मिलियन राजस्व और Q2 में केवल US$1 मिलियन की सूचना दी।

यह जानकारी ENERGY STORAGE NEWS से लेकर आप पाठकों तक पहुचाई जा रही है।

लिथियम की वैश्विक मांग नई ऊंचाइयों पर पहुंच रही है

लिथियम बाजार में पूरे साल कई कीमतों में बढ़ोतरी देखी गई है। इसके अतिरिक्त, लिथियम का उत्पादन, अन्य कच्चे माल की तरह, मांग को पूरा करने में विफल हो रहा है। वास्तव में, बड़े हिस्से में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के बढ़ते बाजार के परिणाम के रूप में लिथियम की मांग हाल के वर्षों में आसमान छू रही है ।

प्लैट्स एनालिटिक्स के अनुसार, वैश्विक प्लग-इन लाइट-ड्यूटी ईवी की बिक्री 2022 में 6.5 मिलियन यूनिट और 2025 में 10.5 मिलियन यूनिट तक बढ़ने की उम्मीद है, जो 2021 में अनुमानित 6 मिलियन यूनिट और 2020 में 3.1 मिलियन यूनिट्स से अधिक है।

लिथियम-आयन बैटरियों को उनके कॉम्पैक्ट आकार, पुनर्भरण क्षमता, पुनर्चक्रण और उच्च घनत्व ऊर्जा उत्पादन के कारण तेजी से अपनाया जा रहा है। इन्फिनिटी स्टोन वेंचर्स कॉर्प (OTC: GEMSF) (CSE: GEMS), ब्राइटरॉक गोल्ड कॉर्प (OTC: BRGC), पैट्रियट बैटरी मेटल्स इंक। (OTC: PMETF), स्टैंडर्ड लिथियम लिमिटेड (NYSE: SLI), स्लो लेक रिसोर्सेज लिमिटेड (NASDAQ: LITM)

बैटरी प्रौद्योगिकी के विकास के बावजूद ईवी उद्योग अपनी प्रारंभिक अवस्था में है, लेकिन इस क्षेत्र में लिथियम की मांग में तेजी आने की उम्मीद है।

नेविगेटर रिसर्च के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट **विलियम टोकाश के अनुसार**

ऑटोमोटिव मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) और बैटरी निर्माताओं द्वारा बैटरी पैक की लागत को लगातार कम करने का दबाव जारी है। और रिसर्च एंड मार्केट्स के अनुसार, वैश्विक लिथियम बाजार का आकार 2021 में 5.5 बिलियन अमरीकी डालर का अनुमान लगाया गया था और 2026 में 9.8 बिलियन अमरीकी डालर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो कि चक्रवृद्धि वार्षिक विकास दर (CAGR) 11.93% है।

इन्फिनिटी स्टोन वेंचर्स कॉर्प (OTCQB: GEMSF) (CSE: GEMS) ने इस महीने की शुरुआत में ब्रेकिंग न्यूज की घोषणा की, "कि उसने कंपनी के हेलकैट प्रोजेक्ट ("नया दावा ब्लॉक" से सीधे अतिरिक्त 1,336 हेक्टेयर का अधिग्रहण करने के लिए एक विकल्प समझौता किया है) "), जो कि क्यूबेक के जेम्स बे क्षेत्र में पैट्रियट बैटरी मेटल्स ("पीएमईटी" या "पैट्रियट") कार्वेट लिथियम डिस्कवरी के पास इन्फिनिटी स्टोन के बड़े केमेरो प्रोजेक्ट का हिस्सा है।

ब्लॉक इन्फिनिटी स्टोन के हेलकैट प्रोजेक्ट की उत्तर-पश्चिमी सीमा से सटा हुआ है। नया अधिग्रहीत क्षेत्र एक अतिरिक्त पांच पेग्माटाइट घटनाओं की मेजबानी करता है, जिसमें एक अतिरिक्त 11 दक्षिणपूर्वी हेलकैट परियोजना में प्रदर्शित होता है।

इन्फिनिटी स्टोन की अनुबंधित तकनीकी टीम, एक्सिओम एक्सप्लोरेशन ग्रुप द्वारा आयोजित फॉल एक्सप्लोरेशन प्रोग्राम, ("फॉल प्रोग्राम") ऐतिहासिक रूप से मैप किए गए पेगमाटाइट्स की पुष्टि करने और नए प्रदर्शनों की पहचान करने में बेहद सफल रहा।

पैट्रियट डिस्कवरी से सटे 3850 हेक्टेयर दावों में 87 नमूने एकत्र किए गए। नमूने सास्काटून, सास्क में सस्केचेवान रिसर्च काउंसिल ("एसआरसी") प्रयोगशाला में भेज दिए गए हैं, आने वाले हफ्तों में परख के परिणाम वापस आने की उम्मीद है।

फॉल प्रोग्राम की महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक अत्यधिक संभावित पेगमैटिटिक डाइक और क्रॉस कटिंग संरचनाओं के समूह की पहचान थी, जो उत्तर में फैले हेलकैट दावों के उत्तरी मार्जिन के पास, नए अधिग्रहीत दावा क्षेत्र में थे।

इस क्षेत्र में सफेद, मोटे दाने वाले, पेगमाटाइट डाइक खनिज रूप से टूमलाइन, गार्नेट और मस्कोवाइट द्वारा विशेषता थे जो जिले में सामान्य एलसीटी (लिथियम-सीज़ियम-टैंटलम) पेगमाटाइट संकेतक खनिज हैं।

न्यू क्लेम ब्लॉक, बिना खोजे गए ग्रीनस्टोन की

9 किमी की स्ट्राइक लंबाई और मेसोआर्चियन रूगेट फॉर्मेशन और नियोआर्चियन मार्बोट फॉर्मेशन के मेटासेडिमेंट्स द्वारा क्रमशः रेखांकित किया गया है।

अंडर-एक्सप्लोर किया गया रूगेट फॉर्मेशन ग्रीनस्टोन बेल्ट एक आकर्षक अन्वेषण लक्ष्य का प्रतिनिधित्व करता है जो भूगर्भीय रूप से समान है और गेयर ग्रुप ग्रीनस्टोन के समीपस्थ है जो पीएमईटी कार्वेट पेगमाटाइट्स को होस्ट करता है।

इन्फिनिटी स्टोन के सीईओ ज़ैन कल्याण के अनुसार

हमारे हाल के पतन कार्यक्रम के बाद, हम अपने पदचिह्न का विस्तार करने और जेम्स बे में केमेरो परियोजना के सबसे संभावित क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तेजी से आगे बढ़े।

श्री कल्याण ने आगे कहा की विस्तारित हेलकैट पर पेगमाटाइट्स में टूमलाइन, गार्नेट और मस्कोवाइट की पहचान ने हमें काफी रुचि का क्षेत्र दिया है और यह हमारे अन्वेषण कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण होगा।

योग्य व्यक्ति - इस समाचार विज्ञप्ति में तकनीकी जानकारी की समीक्षा और अनुमोदन केस लुईस, पी.जीओ द्वारा किया गया है, जो एक "योग्य व्यक्ति" है, जैसा कि एनआई 43-101 खनिज परियोजनाओं के लिए प्रकटीकरण के मानकों और कंपनी के एक निदेशक के तहत परिभाषित किया गया है।

ब्राइटरॉक गोल्ड कार्पोरेशन (ओटीसी: बीआरजीसी) ने 29 अगस्त को घोषणा की कि रेड बेरिल माइनिंग कंपनी की टीम 1400 एकड़ के विस्तार के व्यापक मानचित्रण कार्यक्रम पर अपना काम जारी रखे हुए है। ब्राइटरॉक यह घोषणा करने के लिए उत्साहित है कि टीम ने संभावित पर्याप्त लिथियम जमा के साथ दूसरी खदान की खोज की है।

लोन जायंट प्रॉस्पेक्ट हाल ही में पी. और जी. बेरिल की खोज से लगभग 0.38 मील दूर है। बीआरजीसी के सीईओ मैक जे. शाहसावर, पी. इंजी. टिप्पणी की "स्टीवन साइरोस को पी. और जी बेरिल और लोन जायंट प्रॉस्पेक्ट दोनों में जमीनी निरीक्षण और एक लाइव वीडियो करने के लिए कमीशन किया गया है।

ब्राइटरॉक गोल्ड जल्द ही हमारे निवेशकों के देखने के लिए निरीक्षण वीडियो जारी करेगा। हम लिथियम स्पेस में खुद को एक प्रमुख दावेदार के रूप में स्थापित करना जारी रखते हैं। हाल ही में 1400 एकड़ के विस्तार, दो अतिरिक्त ऐतिहासिक खानों की खोज के साथ, हम लिथियम आधारित उत्पादों का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता बनने के लिए लिथियम-समृद्ध संपत्तियों का एक पोर्टफोलियो विकसित कर रहे हैं।

पैट्रियट बैटरी मेटल्स इंक. (OTCQB: PMETF) ने 12 अक्टूबर को अपने 2022 ड्रिल अभियान से बारह (12) अतिरिक्त ड्रिल होल (CV22-040, 041, 045, 047 से 054, और 056) के लिए कोर परख परिणामों की घोषणा की। स्वामित्व वाली कार्वेट संपत्ति ("संपत्ति"), क्यूबेक के जेम्स बे क्षेत्र में स्थित है।

प्राथमिक ड्रिल क्षेत्र CV5 पेगमाटाइट पर केंद्रित है, जो क्षेत्रीय और सभी मौसम ट्रांस-टैगा रोड के लगभग 13.5 किमी दक्षिण में स्थित है और वर्तमान में दो ड्रिल के साथ पावरलाइन इंफ्रास्ट्रक्चर है। सीवी13 पेगमाटाइट क्लस्टर में एक तीसरा ड्रिल रिग सितंबर की शुरुआत से प्रारंभिक ड्रिल परीक्षण के लिए सक्रिय है।

स्टैंडर्ड लिथियम लिमिटेड (एनवाईएसई: एसएलआई) ने 7 सितंबर को अर्कांसस में अपने पहले वाणिज्यिक लिथियम संयंत्र पर एक अपडेट प्रदान किया।

मानक लिथियम के अध्यक्ष और सीओओ डॉ एंडी रॉबिन्सन ने टिप्पणी की:

इस फीड अध्ययन का पुरस्कार मानक लिथियम के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि यह कंपनी और हमारे सभी परियोजना भागीदारों को व्यावसायीकरण के करीब ले जाता है।

"हमारी आंतरिक परियोजना टीम एक कठोर प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया के माध्यम से चली गई, और हम अपनी पहली वाणिज्यिक सुविधा को डिजाइन करने और एक ईपीसी अनुबंध और फिर निर्माण के लिए आगे बढ़ने के लिए ओपीडी और केईएस और एम 3 इंजीनियरिंग में इसके भागीदारों के साथ काम करने में प्रसन्न हैं।"

"चयन प्रक्रिया और अध्ययन पुरस्कार अनुशासित और जिम्मेदार परियोजना विकास के लिए मानक लिथियम की प्रतिबद्धता के और उदाहरण हैं। लैंक्सेस के साथ वाणिज्यिक चर्चाएं चल रही हैं जो पहले वाणिज्यिक संयंत्र के निर्माण और संचालन का समर्थन करेगी, साथ ही लैंक्सेस के मौजूदा बुनियादी ढांचे के साथ अनुमति, भू-तकनीकी जांच और इंजीनियरिंग एकीकरण जैसे सभी सहायक अध्ययन भी चल रहे हैं।

स्नो लेक रिसोर्सेज लिमिटेड (NASDAQ: LITM) ने 4 अक्टूबर को घोषणा की, उत्तर अमेरिकी इलेक्ट्रिक वाहन बाजार के लिए घरेलू आपूर्ति श्रृंखला बनाने की दिशा में संभावित अगले कदम का पता लगाने के लिए 13 सितंबर को मैनिटोबा, कनाडा में एलजी एनर्जी सॉल्यूशन की मेजबानी की।

मैनिटोबा के उप प्रधान मंत्री क्लिफ कलन ने टिप्पणी की:

एलजी एनर्जी सॉल्यूशन और स्नो लेक लिथियम जैसी कंपनियां महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और विकास का नेतृत्व कर रही हैं जो दुनिया को डीकार्बोनाइजेशन के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

स्नो लेक लिथियम के सीईओ फिलिप ग्रॉस ने कहा:

यह यात्रा एक बड़ी सफलता थी और यहां मैनिटोबा में यूएस ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए एक मजबूत घरेलू आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करने का एक असाधारण अवसर है।

"दुनिया के अग्रणी एलजी एनर्जी सॉल्यूशन के साथ हमारे रोमांचक सहयोग के बाद हमें विश्वास है कि हमारी रॉक टू रोड बैटरी आपूर्ति श्रृंखला उत्तरी अमेरिका में इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में मदद करेगी।"

लिथियम की वैश्विक मांग नई ऊंचाइयों पर पहुंच रही है।

यह विशेष जानकारी BATTERY NEWS से लेकर आप पाठकों तक पहुचाई जा रही है।

VERATEK®
Energy Revolution
SOLAR
TALL TUBULAR
BATTERY
POWER
BACKUP
SOLUTION
QUICK RECHARGE >
MORE BACKUP >
VERATEK®
Energy Revolution
AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY
SOLAR
TALL TUBULAR
BATTERY
12V/180A@C10
VPST-18000
LOW MAINTENANCE
HIGH POWER
SELENIUM INSIDE
Contact : +91 9810622544 | Email : amtekbatteries@gmail.com

एसजेवीएन ने यूपी में 75 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना शुरू करने की घोषणा की

नंद लाल शर्मा, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एसजेवीएन

एसजेवीएन ने उत्तर प्रदेश की कालपी तहसील में स्थित पारासन सोलर पार्क में 75 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाओं को चालू करने की घोषणा की। अक्टूबर में कमीशनिंग की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। एसजेवीएन के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक नंद लाल शर्मा ने कहा कि यह परियोजना दो हाइड्रो और दो पवन परियोजनाओं के अलावा एसजेवीएन की तीसरी चालू सौर परियोजना होगी और इस परियोजना के चालू होने से एसजेवीएन की स्थापित क्षमता अब 2091.5 मेगावाट हो जाएगी।

शर्मा ने कहा कि एसजेवीएन ने उत्तर प्रदेश नवीन और नवीकरणीय विकास एजेंसी (यूपीनेडा) द्वारा आयोजित प्रतिस्पर्धी टैरिफ बोली के तहत बिल्ड ओन और ऑपरेट के आधार पर ₹ 2.68 प्रति यूनिट के टैरिफ पर 75 मेगावाट परसन सौर ऊर्जा परियोजना हासिल की। इस परियोजना के निर्माण / विकास की लागत ₹392.3 करोड़ है। उसी के लिए बिजली खरीद समझौते पर उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के साथ 25 वर्षों के लिए हस्ताक्षर किए गए हैं।

परियोजना पहले वर्ष में 168.34 एमयू उत्पन्न करेगी और 25 वर्षों की अवधि में अनुमानित संचयी ऊर्जा उत्पादन 3919 एमयू होगा। इससे प्रति वर्ष लगभग ₹45.11 करोड़ का राजस्व प्राप्त होगा। एसजेवीएन अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के माध्यम से 4,007.5 मेगावाट क्षमता की अन्य नवीकरणीय परियोजनाओं के साथ इस परियोजना को कार्यान्वित कर रहा है।

एसजेवीएन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, "परसन सौर ऊर्जा परियोजना के चालू होने के बाद, इसमें से 4,007.5 मेगावाट नवीकरणीय पोर्टफोलियो 179.5 मेगावाट परिचालन में होगा, जबकि 1370 मेगावाट की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं और 2458 मेगावाट की परियोजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।" एसजेवी की गति से तेज गति से चलने और बढ़ने की गति 42,000 से अधिक के पास स्थित संविभाग के साथ, कंपनी 2023 तक 5,000, 2030 तक 25,000 और 2040 तक 50,000 तक सक्षम है।

BYD की बैटरी तकनीक के साथ नई टोयोटा bZ3 इलेक्ट्रिक वाहन

टोयोटा ने bZ3 इलेक्ट्रिक सेडान, bZ सीरीज में अपनी दूसरी ऑल-इलेक्ट्रिक वाहन, bZ4X के बाद से पर्दा उठा दिया है। FAW टोयोटा और BYD के सहयोग से विकसित, यह इलेक्ट्रिक वाहन फिलहाल चीन के लिए विशिष्ट है।

BZ3 में एक डिज़ाइन थीम है जिसे टोयोटा "हैमरहेड-शार्क जैसा डिज़ाइन प्रारूप" कहना पसंद करती है। एक एलईडी डीआरएल पट्टी प्रावरणी की चौड़ाई में चलती है, जो दोनों हेडलैम्प्स को डीप हाउसिंग में जोड़ती है। डिजाइन में आक्रामकता को जोड़ने के लिए पहिया मेहराब पर उभार और पूरे साइड प्रोफाइल पर तेज रेखाएं और क्रीज हैं। यह झपट्टा मारने वाला सिल्हूट और फ्लैट दरवाज़े के हैंडल सेडान को 0.218 का ड्रैग गुणांक (सीडी) मान प्राप्त करने में मदद करता है।

अंदर, बड़ा पोर्ट्रेट-स्टाइल टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम सेंट्रल कंसोल पर हावी है। अन्य विचित्र, लेकिन शांत दिखने वाले बिट्स में चौकोर आकार का स्टीयरिंग व्हील और डिजिटल ड्राइवर का डिस्प्ले डैश पर ऊपर रखा गया है। सेंट्रल कंसोल में फिजिकल बटन का न होना भी केबिन को मिनिमल अपील देता है।

टोयोटा ने अभी तक bZ3 के विस्तृत विनिर्देशों का खुलासा नहीं किया है। हालांकि इस बात की पुष्टि की गई है कि सेडान BYD की LFP बैटरी का उपयोग करेगी जो इसे एक बार चार्ज करने पर 600km से अधिक रेंज देने में मदद करती है। कार निर्माता ने यह भी कहा कि इस बैटरी पैक की क्षमता 10 साल बाद भी 90 फीसदी होगी।

स्रोत : ज़िग्व्हील्सडॉट कॉम

गोगोरो भारत में आने को तैयार

ताइवान की बैटरी-स्वैपिंग और इलेक्ट्रिक स्कूटर की दिग्गज कंपनी गोगोरो ने घोषणा की है कि वह 3 नवंबर को भारतीय बाजार में प्रवेश करेगी। गोगोरो की घोषणा के अनुसार, वह उस दिन एक सत्र आयोजित करेगा जहां वह "स्मार्ट ऊर्जा और शहरी परिवहन के लिए अपने दृष्टिकोण को रेखांकित करेगा और चर्चा करेगा। हम भारत की शहरी गतिशीलता और अंतिम मील क्षेत्र को डीकार्बोनाइज करने के लिए कैसे काम करेंगे।"

जहां तक पहले की बात है, गोगोरो एस1 एकदम सही उम्मीदवार लगता है क्योंकि इसमें वह सब कुछ है जिसकी एक आधुनिक इलेक्ट्रिक स्कूटर से उम्मीद की जा सकती है।

गोगोरो एस1 एक मिड-माउंटेड मोटर द्वारा संचालित है, जिसकी अधिकतम शक्ति 7.2kW और मोटर पर अधिकतम 27Nm का टॉर्क है। यह एक स्वैपेबल लिथियम-आयन बैटरी पैक से जुड़ा है जो 30 किमी प्रति घंटे की गति से 150 किमी की दावा की गई सीमा प्रदान करता है।

विदेशों में बेचा जाने वाला S1 प्रीमियम घटकों के साथ बनाया गया है, जिसमें सिंगल-आर्म फोर्क से जुड़ा एक एल्यूमीनियम मोनोकोक चेसिस और एक लिंक्ड रियर मोनोशॉक शामिल है। जबकि भारत-कल्पना ई-स्कूटर S1 पर आधारित हो सकता है, वास्तविक उत्पाद को 'भारतीयकृत' होने की उम्मीद है, जिसमें बढ़ी हुई रेंज, उच्च शीर्ष गति, साथ ही लागत प्रभावी घटक शामिल हैं।

सिमटता गाँव

जीवन के तीस बसंतों को पार कर चुका हूं, जब कभी एकांत में बैठ कर बीते हुए वर्षों का अवलोकन करता हूं तो लगता हैं कि समय ने दीवार पर टंगे कैलेंडर को ही नहीं बदला, अपितु रिश्ते-नाते, संबंधों की परिभाषा भी बदल दिया।

मेरा बचपन भारतीय संस्कृति के उस गांव में बीता हैं। जहां बचपन से हमें सिखाया जाता रहा कि अमुक इंसान (चाहे वो किसी जाति, धर्म से आते हो) रिश्ते में सब तुम्हारे भाई-बहन, चाचा-चाची और दादा-दादी लगेंगे। उस समय के संस्कृति ने कभी उम्र में बड़ों को उनके नाम से संबोधित करना नहीं सिखाया हमें, बल्कि रिश्तों के डोर में बंधे रहना सिखाया। मेरे हमउम्र के नवजवानों को याद होगा की उनकी शरारत या अनैतिक गतिविधियों पर कोई पड़ोसी देख लेता तो वह उन्हें येन केन प्रकारेण उन्हें वही रोक देता था। इसपर सोचता हूं तो लगता है कि उस समय लोगों की ये मानसिकता नहीं थी कि ये लड़का, फलां व्यक्ति के घर का है, मेरा क्या जायेगा इसके बिगड़ने पर? अपितु उन्हे ये लगता था ये मेरे गांव का भविष्य है आज कुम्हार भांति थोड़ा गढ़ दिया तो कल पूरे विश्व को शीतलता प्रदान करेगा।

आज जब उसी गांव में अपनी छुट्टियां बिताने जाता हूं, तो प्रौढ़ उम्र के कुछ व्यक्तियों को युवा अवस्था में प्रवेश कर रहे कुछ युवकों को उनके साथ अनैतिक गतिविधियों (नशा, चोरी, गलत शिक्षा) में लिप्त देखता हूं तो असहाय पीड़ा होती है, पर चाह कर भी वहां मौन रखना पड़ता है। इसका एक कारण ये भी है कि समय ने रिश्तों की परिभाषा बदल दिया। हमारे बचपन में हमारे गलतियों पर कोई भी परिचित हमें येन केन प्रकारेण (समझाते, डांटते और मारते थे) रोकते थे, और जब ये बात हमारे घर के अभिभावक को पता चलता तो वो भी हमें दंडित करते। आज के परिवेश का नवयुवक सुनना तो दूर हठ (बहस) कर जाते है, क्योंकि गांव का हर व्यक्ति उनका चाचा, भैया, दादा, लगेगा ये भावना अब बचपन से नहीं दी जाती शायद उन्हें। उनके अभिभावक को यदि जानकारी होती है की उनके बच्चों को डांटा गया तो इसे वो अपनी शान के खिलाफ (शायद अभिभावक भूल जाते है कि चेतना का विकास समाज में ही होता है, और चेतना परिवेश के अनुसार निर्मित होती है) समझ लेते है। यदि बात ज्यादा बढ़ गई तो अभिभावक इसे अपनी शान पर लेकर मामले को मानवाधिकार, प्रशासन इत्यादि में भी ले जाते है। शायद इसलिए कुछ लोग चाहते हुए अपने पास-पड़ोस के नवजवानों को उनकी गलतियों का अहसास नहीं करा पाते और ना चाहते हुए भी आंख बंद वहां से निकल लेते हैं।

मैने बचपन का वह दौर भी देखा है जब चौपाले लगती थी, जाड़े के दिनों में जलती अंगीठी के पास लोग इकट्ठा हो जाते थे, एक कप चाय पर बड़ी से बड़ी समस्या सुलझ जाती थी। आजकल तो अधिकांश लोग अधिकतर मामले को आपसी संवाद से न निपटा, शासन या न्यायालय का दरवाजा खटकना पसंद करते है। जबकि वो ये भूल जाते है कि आपस के विवाद के चक्कर में अदालत में उनका समय बर्बाद होगा और उनके पास विकास हेतु सोचने करने का समय नहीं बचेगा। ये सच है कि ज्यादातर समस्या का समाधान आपसी सहमति /संवाद है (कई बार कोर्ट में सालों से लटके मामले भी राजीनामा से समाप्त होते है), इसी नजरिए से पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी कश्मीर जैसे मुद्दे को बार-बार आपसी समझौता/संवाद से हल करने पर ज्यादा जोर देते थे। पूर्व राष्ट्रपति डॉ कलाम ने चित्रकूट के इलाकों में नानाजी देशमुख और उनके साथियों द्वारा ग्रामीण विकास प्रारूप हेतु बनाए संस्थान पर अपने एक बयान में कहा था कि "ये संस्थान विवाद रहित समाज के निमार्ण में मदद करता है, क्योंकि चित्रकूट के आस-पास के लगभग अस्सी गांव के लोगों ने उस समय सर्वसम्मति से निर्णय लिया था कि किसी विवाद के स्थिति में उसके समाधान के लिए वो अदालत नहीं जायेंगे बल्कि आपसी सहमति/संवाद से उसका समाधान करेंगे।"

विवाद यदि आपसी सहमति से निपटेगा तो रिश्ते अपनी मधुरता लिए आगे के लिए गतिमान रहेगा। यदि प्रशासन, न्यायालय से निपटेगा तो विवाद के निपटारे के साथ-साथ उन परिवारों के आपसी प्रेम सिमट जायेगा।

"जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी" धीरे धीरे इस वाक्य का अर्थ समाज से विलुप्त होता जा रहा हैं। माना भौतिकवादी युग में विकास के लिए देश-विदेश के अलग-अलग स्थानों पर जीविकापार्जन हेतु रहना पड़ता है। पर अपने मातृभूमि से जुड़े रहने के साथ साथ उन्हें अपने स्तर से अपने मातृभूमि के विकास के लिए अपने गांव पर ध्यान भी देना चाहिए, ये नहीं भूलना चाहिए कि कोरोना जैसे महामारी एवं अन्य हालत में मातृभूमि ने सभी को शरण दिया है।

महात्मा गांधी ने कहा था की "भारत की आत्मा गांवों में बसती है।" इसलिए मेरा मानना है सरकार को चाहिए कि छठवीं कक्षा के बाद ये नियम बना देना चाहिए कि साल के इतने दिन (सरकार द्वारा निर्धारित संख्या) गांव में रहने पर (इसकी मॉनिटरिंग ग्राम स्तर के प्रशासनिक अधिकारी करें और उनके स्तर से इसका प्रमाण पत्र जारी हो) ही अगली कक्षा में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। इस बहाने देश के नौनिहाल में बचपन से ही गांव के संस्कार अंकुरित होंगे और हम सब जानते है की बचपन के संस्कार जल्दी नहीं भूलते।

गांव की सीमा तो वही की वही रहेगी पर लोग आपस तक न सिमटे इसके लिए गांव स्तर के लोकगीत, त्योहार, परंपरा, रिवाज और भाषा के विकास हेतु सभी सरकारी एवम् गैर सरकारी संस्था सहित हमसब को साथ आना चाहिए, क्योंकि यहीं एक मध्यम है जो हमे एक धागे में पिरो कर रख सकता है। इसका एक सीधा उदाहरण देता है, गांव से 1500 किलोमीटर दूर यदि अपनी भाषा बोलते हुए कोई इंसान मिल जाता है तो हमें ऐसा प्रतीक होता है की रेगिस्तान में जलाशय मिल गया हो और फिर हम उससे इस कदर जुड़ने की कोशिश करते हैं जैसे हम वर्षों से जानते हैं उसे।

अंकुर सिंह
हरदासीपुर, चंदवक
जौनपुर, उ.प्र.

सावधान

वक्त बदलते देर नहीं यह तो सिर्फ सुना था।
लेकिन अब देख भी रहे हैं।
सियासत के लिए भीख मांगते
नेता भी देख रहे हैं।

जिस गरीब जनता को देख मुंह बनाते थे
कल तक, आज उनके पैर धोते देख रहे हैं।

हां फितरत तो वही है रूतबे वाली
लेकिन, जनता को अपना माई बाप बता रहे हैं।

इन्हें अपना दाम तो बोलो, पल भर
में इनके ईमान भी बिक रहा हैं।

भाईचारे का जो कल तक पाठ पढ़ा रहे थे,
वो आज एक वोट के लिए।
मंदिर-मस्जिद, की बातें कर रहे हैं।

ऐसे लोगों की तहजीब भी बिक गई
फरमान भी बिक गए

कल तक मेरा-मेरा करने वाले,
आज सब तुम्हारा है बोलते आ रहे हैं।

सावधान रहना ऐसे फरेबियों से जो
आज तुम्हारी जेब भरेंगे ।
वक्त पड़ने पर फिर कभी नजर नहीं आयेंगे।

टके सेर भाजी टके सेर खाजा
का लालच देकर तुम्हे लॉलीपॉप
पकड़ा जायेंगे।

भ्रष्टाचार, और धोखे ,घूसखोरों
के बदौलत ये, यहाँ तक पहुँचे।

जो जनता की बेचारी पर हंसे वो
वही आप सबके साथ के कारण
सिंहासन पर बैठ ठहाके लगाऐंगे॥

चुनाव है सर पर यह सोच पैसा खूब
बांटा जायेगा,और फिर बाद मे उसी
जनता का जेब काटा जाएगा।

निर्मला सिन्हा
ग्राम-जामरी, डोंगरगढ़
छत्तीसगढ़

एक बार देख लेना

तुम ढूंढने चले हो मुझसे भी कोई बेहतर
हम ठिठक वहीं खड़े हैं एतबार देख लेना।
हवाओं रुख बदल लो तुम आज चाहे जितने
पतझड़ में भी हम पर बहार देख लेना।

हो रूह पर जिसके रूहानियत बिखरी
वो फिर कभी न टूटा संसार देख लेना।
होंगी बहुत रंगीनियाँ महफ़िल में फ़िर तुम्हारी
न उस जहां मिलेगी ये शराब देख लेना।

पाकीज़गी भी हमसे और शोखियाँ हमीं पर
फिर खोजते फिरोगे ये दरो दीवार देख लेना।
जब छोड़ जाएँ तुमको सब मुफ़लिसी में जानम
फ़िर हिरासत में मेरी आ के यार देख लेना।

हम तो फैला के दामन है माँगते यही बस
मँझधार में है मांझी पतवार देख लेना।
दर-दर की खा के ठोकर वफ़ा को फ़िर जो तरसो
इन आँखों में मेरी रुककर एक बार देख लेना!

गीतांजलि मृदुल
देहरादून, उत्तराखण्ड

जलते हैं लोग क्यूँ

हद से भी ज्यादा अक्सर ही गिरते हैं लोग क्यूँ
औरों को देखकर यूं ही जलते हैं लोग क्यूँ।

दोस्ती बुरी नहीं हो चुकी फितरत है बुरी
बदनाम दोस्ती को यहां करते हैं लोग क्यूँ।

मिलता नहीं नसीब से बढ़कर कभी हमें
लालच के फेर में लगे रहते हैं लोग क्यूँ।

इंसानियत नहीं मिला करती इँसान में
खूंखार हो रहे नहीं डरते हैं लोग क्यूँ।

खाते कसम हैं साथ निभाते रहेंगे वो
कृष्णा गले फिर मौत के लगते हैं लोग क्यूँ।

कृष्ण कांत बडोनी
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

दीपोत्सव

हर घर आंगन खुशहाल रहे।
द्वार द्वार दीप पर्व का उजास रहे।
हृदय तल से तिमिर का नाश हो,
मनु मन में श्रीराम का निवास रहे।

लौट आए वनवास से हृदय,
न निराश हो खुशहाल परिवार रहे।
दीपावली पर ऐसे दीप जले,
चाहत बढ़े दिलों में ना रंजिश रहे।

हर हृदय से दूर विषय विकार हो,
निज काम में राष्ट्रहित सर्वोपरि रहे।
मिटे भेदभाव गरीबी देश से,
जग मग दीप जले सब दिन त्योहार रहे।

हर इंसान का जीवन खुशियों से भरा हो,
सदा मनती रहे दीवाली दुःख मेहमान रहे।

डा. भगवान सहाय मीना
बड़ा पदमापुरा
जयपुर, राजस्थान

हसरत

ये फ़साना सब को सुनाए तो अच्छा।
मुझे इस जमाने से बचाए तो अच्छा।
नुकीले हो तो पार होने से डर जाऊं,
डरने के लिए तीर चलाए तो अच्छा।
गर इश्क है तो आकर इज़हार करें,
मुझे दिल की बात बताए तो अच्छा।
झगड़े से रिश्ते नहीं दरार बढ़ती है,
आपसमें सुलह हो जाए तो अच्छा।
मुझ से जीने की आस ना रक्खे,
मुझे हर घड़ी मौत आए तो अच्छा।
©®अजय बोरकर

कविता, लघुकथा, कहानी, लेख आप भी भेज सकते हैं। संपादक मंडल अगर चयनित करते हैं तो बैटरी व्यापार में प्रकाशित होंगे।
नीचे दिए गए ई-मेल आईडी पर मेल करें :
info@batterybusiness.in

पहला वाला प्यार

रोटी मानव की बनी, जीवन का आधार
इसके बिना चले नहीं, ये सारा संसार
हत्या लूट का बढ़ता, देख यहां अनुपात
चलता रोटी वास्ते, सारा ही उत्पात

सूख गया है अब यहां, रिश्तों का तालाब
स्वयं को मानने लगा, रमेश देख नवाब
मानते रहे हम सभी, उनका ही आभार
मांगने पर दे हमको, वो हर बार उधार

चीख रही है देख तू, घर की हर दीवार
कहां गया है अब यहां, पहले वाला प्यार
अब तो होता है यहां, उसका ही सम्मान
पैसा जिसके पास है, करते है गुणगान

उन लोगों की रह गई, आजकल यही रीति
पैसों वालों से रखें, अपनी सारी प्रीति
पैसा है नहीं पास में, उनकी क्या औकात
मिलती है उसको सदा, कष्टों की सौगात

रहे हरदम सदैव ही, सुख भरे वहां धाम
जहां पर रमेश रहते, सारे ही सुखराम
मानव का जीवन मिला, कर ऐसा अब काम
लेवे मरने बाद भी, रमेश तेरा नाम

रमेश मनोहरा
शीतला माता गली
जावरा, जिला-रतलाम
मध्यप्रदेश-457226

देवों की धरती भारत

भारत माता का हर बच्चा, कहलाता अवतारी है।
देवों की धरती है भारत, पूजित ज्यूँ महतारी है।

यहाँ बसे हैं सभी देवता, यहाँ बसे थे परमात्मा।
इस पावन धरती में बसकर, बने बाल्मिकी धर्मात्मा।
ऋषियों मुनियों की सब बातें, सबकी पालनकारी है।
देवों की धरती है भारत, पूजित ज्यूँ महतारी है।

उत्तर से लेकर दक्षिण तक, फुलवारी लगती धरती।
पूरब से लेकर पश्चिम तक, कितनी नदियाँ हैं बहती।
नदियों में बहती जलधारा, बहुत अधिक हितकारी है।
देवों की धरती है भारत, पूजित ज्यूँ महतारी है।

भरी पड़ी है खनिज संपदा, जड़ी बूटियां गुणकारी।
गंगा यमुना की कल कल में, संगीत बसा है मनुहारी।
धरती के कण कण में बसती, कला हमारी प्यारी है।
देवों की धरती है भारत, पूजित ज्यूँ महतारी है।

यहीं हुए थे माधव राघव, यहीं हुई राधा सीता।
यहीं हुए थे परशुराम भी, यहीं सुनाई थी गीता।
यहीं धर्म से हारा धोखा, कथा बहुत ये न्यारी है।
देवों की धरती है भारत, पूजित ज्यूँ महतारी है।

भारत माता का हर बच्चा, कहलाता अवतारी है।
देवों की धरती है भारत, पूजित ज्यूँ महतारी है।

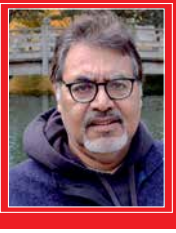

सुरेश चन्द्र जोशी
नोएडा, उत्तर प्रदेश

एक बार फिर बचपन

लौट आया है मेरा बचपन
नाती, नतनियों, पोतियों के साथ
दौड़ते भागते खेलते उनके साथ
कुछ गोद में, कुछ युवा हो चले
दोस्त ये मेरे पुराने हो चले।

फिर एकबार आया है जोश
इन बूढ़ी हड्डियों में, त्योहारों को,
मेलों को देखने का उमंग
नये-नये कपड़ों, परिधानों में
घूमने का शौक
घर मे सफेदी चूना पेंट करवा रहा हूँ।

अबकी दीपावली में है
उन सबका बेसब्री से इंतजार
आने दो फिर पटाखों फुलझड़ियों
मिष्ठानों के साथ जलेंगे नये दीप
महकेगी हमारी बगिया फूलों से
मुस्कराहटों का दौर होगा
खिलखिलाहटों का शोर होगा।

लौट आए हैं अयोध्या में श्री राम
जय सियाराम का उद्घोष होगा
चहुँ ओर प्रकाशित होंगी दिशायें
गणेश लक्ष्मी जी का पूजन होगा
अबकी दीपावली फिर शुभ होगी ।

या, फिर फोन आयेगा
पापा छुट्टी नही मिल रही
टिकट के दाम भी बढ़ गये
बच्चों के स्कूल खुले हैं
चलिये हम सब होली मे
मिलते हैं, पक्का इस बार ।

आप और मम्मी मनाइये
दीपावली अबकी(धूम से) एक साथ
घर पर लगी झालरों एवं
कंडिल की तस्वीर भेजियेगा
और हाँ मिठाई ज्यादा नही
माँ को मधुमेह है,ध्यान है न!

सुभाष चन्द्रा
गोमती नगर, लखनऊ

संस्कारों की पूंजी

अपनों से बनता है परिवार
अपनों के प्यार भरे रिश्तों से,
रिश्तों को जोड़ने का काम करता है संस्कार।
संस्कारों की पूंजी से जीवन को मिलता आकार।
इस आकार से मिलता जीवन को नया आयाम
इस आयाम से मिलता नया नाम

इस नाम से ही पहचाने जाते है संस्कारों के रुप,
संस्कारों से खिल जाता नया नूर।

संस्कारों के मार्ग पर जो चलते
वो कभी भी ना हारते,
जीवन के मार्ग पर जीतना ही जानते,
परिवार में निखार आता संस्कारों से,

जो भी हम सीखते वो परिवार के बुजुर्गों से,
बुजुर्ग हैं हमारे परिवार की मुख्य जड़
सम्मान करेंगे तो आयेगी नहीं जीवन में पतझड़,
संस्कारों की पूंजी को संवारना है
जीवन में वसंत ऋतु जैसा माहौल लाना है ॥

ज्योति विपुल जैन
बलसाड, गुजरात

www.batterybusiness.in

बैटरी व्यापार

Battery Business

ऑनलाइन मासिक

बैटरी, सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा व्यापार से जुड़े कारोबारियों के लिए प्रकाशित

सदस्यता प्रपत्र

फोटो

नाम ____________________

पता ____________________

पता ____________________ फोन ____________________

मोबाइल ____________________ ई-मेल ____________________

दिनांक   हस्ताक्षर

विज्ञापन दर

कवर स्टोरी (कवर विज्ञापन)	10000/- रुपये
पिछला आवरण	5000/- रुपये
प्रथम आवरण के पीछे	4000/- रुपये
पिछले आवरण के पीछे	4000/- रुपये

पूरा पृष्ठ	3000/- रुपये	आधा पृष्ठ	2000/- रुपये
चौथाई पृष्ठ	1500/- रुपये	न्यूनतम	1000/- रुपये

सदस्यता हेतु अनुदान राशि

एक वर्ष	: 1200/- रुपये	दो वर्ष	: 1800/- रुपये
पांच वर्ष	: 4000/- रुपये	आजीवन	: 11000/- रुपये

सदस्यता हेतु अनुदान राशि चैक/ड्राफ्ट "designworld" के नाम WZ-572N, BACK SIDE, NARAINA VILLAGE DELHI-110028 के पते पर भेजें।

ड्राफ्ट या चैक यस बैंक के नाम पर देय होगा।

Paytm, googlepay, phone pe No. **9582593779**

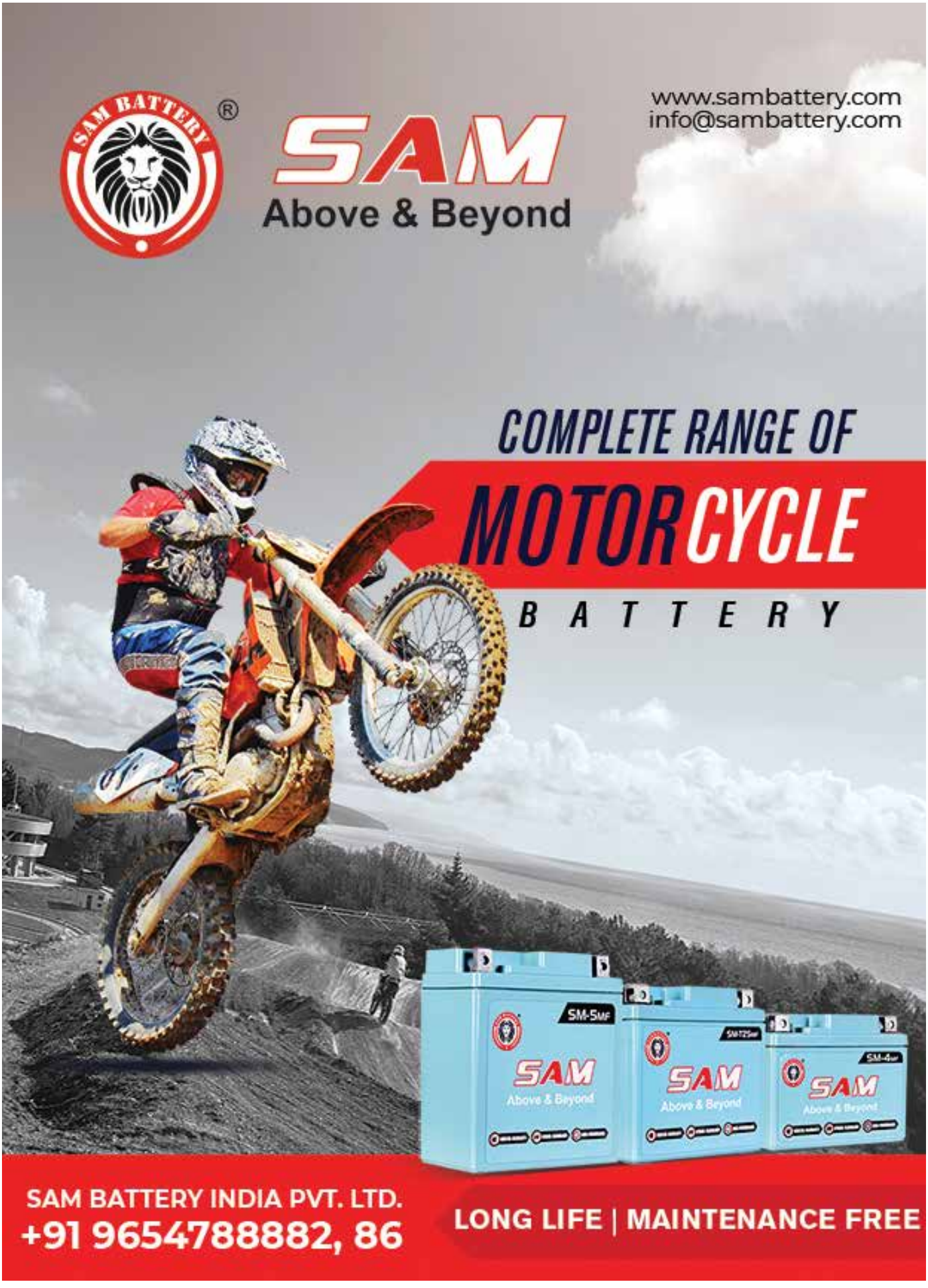

SAM BATTERY
SAM
Above & Beyond
www.sambattery.com
info@sambattery.com
COMPLETE RANGE OF
MOTORCYCLE
BATTERY
SM-5MF
SAM
Above & Beyond
SAM
Above & Beyond
SAM
Above & Beyond
SAM BATTERY INDIA PVT. LTD.
+91 9654788882, 86
LONG LIFE | MAINTENANCE FREE

बैटरी व्यापार
Battery Business
ऑनलाइन मासिक
बैटरी, सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा व्यापार से जुड़े कारोबारियों के लिए प्रकाशित

Website : www.batterybusiness.in
Email : info@batterybusiness.in

staxxa solar

Toll Free : 1800-891-3910

GO SOLAR WITH
STAXXA SOLAR

HIGH POWER OUTPUT
Compared to normal module
the power output can increase 5W-1CW

Complete Range of High Efficiency Solar Panels available

Models

12V Poly Series :
40W, 50W, 75W, 100W, 160W

24V Poly Series :
335W, 350W

Monoperc 24V Series :
400W

SPECIAL 5 BUSBAR DESIGN
The unique cell design reduction in electrodes resistance, shading area and raise in conversion efficiency, Residual stress distribution can be more even, reducing the micro-cracks risks.

IP67 RATED JUNCTION BOX
IP67
The unique cell design reduction in electrodes resistance, shading area and raise in conversion efficiency, Residual stress distribution can be more even, reducing the micro-cracks risks.

Email : customercare@staxxasolar.com | Web : www.staxxasolar.com